

नववर्ष की पूर्व संध्या पर दूध वितरण

जयपुर। मालवीय नगर वॉर्ड 131 के एक प्रमुख चौराहे पर नववर्ष के उपलक्ष में दूध वितरण का कार्यक्रम किया गया। पाण्डे गोविन्द छीपा ने कहा कि दूध दही वाले हमारे भारत देश में मादक पदार्थों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। इस अवसर पर विधायक काली चरण सराफ, सुमन शर्मा, सत्री कपूर, गंगा राम सैनी, गणेश सैनी, राम कृपाल, नीरजा सक्सेना सहित अनेक गणमान्य नागरिक और आमजन उपस्थित रहे।

सहकारिता मंत्री गौतम दक ने सुनी कार्यकर्ताओं की समस्याएं

जयपुर। सहकारिता एवं नागरिक उद्युयन विभाग के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गौतम दक ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ता सुनवाई की। मंत्री गौतम दक ने बताया कि भाजपा में कार्यकर्ता को सदैव प्राथमिकता दी जाती है। कार्यकर्ताओं के कार्यों को संगठन के माध्यम से सत्ता के मंत्री प्राथमिकता दे रहे है, इससे क्षेत्र का विकास तेजी से होगा और क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं को भी नई पहचान मिलेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसी मंशा के साथ पाटी कार्यालय में कार्यकर्ता सुनवाई शुरू की है, इसके परिणाम भी अब आना शुरू हो गए है। सहकारिता मंत्री गौतम दक ने कहा कि कार्यकर्ता सुनवाई में आने वाले परिवारों का मौके पर ही निस्तारण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं की सुनवाई सरकार में होना अत्यंत आवश्यक है। कार्यकर्ताओं की समस्याएं दूर होंगी और उनके क्षेत्र की जन समस्याओं का समाधान होगा तो संगठन मजबूत होगा और संगठन मजबूत होगा तो सरकार भी सुदृढ़ बनेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ता सुनवाई की जा रही है, वहीं मंत्रियों के निवास पर जनसुनवाई पूर्व की भांति निरंतर सुचारू है। प्रदेश के आमजन कभी भी मंत्रियों के निवास पर जनसुनवाई में आ सकते है। प्रदेश सरकार में आने वाले कार्यकर्ताओं से मिलकर उनकी समस्या का समाधान में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से किया जा रहा है। इस दौरान भाजपा कार्यालय सचिव मुकेश पारीक भी उपस्थित रहे।

1 5 लाख की ड्रग्स के साथ विदेशी नागरिक सहित पांच गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत नशे के सौदागरों पर बड़ा प्रहार करते हुए पन्द्रह लाख रुपये की अवैध मादक पदार्थ जब्त कर एक विदेशी नागरिक सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्मैक, एमडी ड्रग्स, कोकीन, नशीली गोलियां और एक कार बरामद की गई है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने बगर,शिवदासपुरा और कानोता थाना इलाके में संयुक्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली से जयपुर आ रहे विदेशी नागरिक ऑगस्टीन एगबो (27) निवासी एन्गु (नाइजीरिया) हाल फर्दीदाबाद (हरियाणा),संगीता सांसी उर्फ



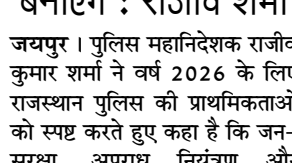
मोगली(30) निवासी रामगंज जिला अजमेर, अब्दुल गफफार खान (30) निवासी माधोराजपुरा जयपुर, आरिफ मोहम्मद (26) निवासी माधोराजपुरा जयपुर और विजय सोलंकी निवासी माधोराजपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 179.09 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक,12.26 ग्राम एमडी ड्रग्स (फिस्टल), 27.17 ग्राम कोकीन, 81 मिलीग्राम (2 टैबलेट) नशीली गोलियां सहित एक चौपटिया वाहन भी बरामद किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि नाइजीरियन नागरिक के पास से वैध पासपोर्ट व वीजा नहीं मिला है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त



■ **स्मैक, एमडी ड्रग्स, कोकीन, नशीली गोलियां और कार बरामद**

■ **जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने बगर, शिवदासपुरा और कानोता में कार्रवाई की**

(ऑपरेशंस) राहुल प्रकाश के निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह के सुपरव्जिन में तीनों थाना क्षेत्रों में अलग-अलग की गई है।



■ **स्मैक, एमडी ड्रग्स, कोकीन, नशीली गोलियां और कार बरामद**

■ **जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने बगर, शिवदासपुरा और कानोता में कार्रवाई की**

(ऑपरेशंस) राहुल प्रकाश के निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह के सुपरव्जिन में तीनों थाना क्षेत्रों में अलग-अलग की गई है।

■ **जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने बगर, शिवदासपुरा और कानोता में कार्रवाई की**

■ **जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने बगर, शिवदासपुरा और कानोता में कार्रवाई की**

■ **जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने बगर, शिवदासपुरा और कानोता में कार्रवाई की**

■ **जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने बगर, शिवदासपुरा और कानोता में कार्रवाई की**

■ **जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने बगर, शिवदासपुरा और कानोता में कार्रवाई की**

■ **जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने बगर, शिवदासपुरा और कानोता में कार्रवाई की**

‘राजस्थान में सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे घर, लहलहा रही फसलें’

प्रदेश की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 3 5 हजार मेगावाट से अधिक हुई

जयपुर (कासं)। नववर्ष का सूर्य प्रदेश के लिए नई उम्मीदों की किरणें लेकर आया है। विषम भौगोलिक हालात व मौसम के प्रचण्ड प्रकोप की मार झेलने वाला राजस्थान अब सूरज के विकास रथ पर सवार होकर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में आमजन के घर सूर्यघर बन रहे हैं। सौर ऊर्जा से मिल रहे पानी से खेतों में सिंचाई हो रही है। बढ़ती सौर ऊर्जा क्षमता के साथ देश में नम्बर वन राज्य के रूप में राजस्थान नए साल में प्रवेश कर रहा है।

ज्यादा पुरानी बात नहीं है जब राजस्थान को कोयले की किल्लत के कारण बिजली संकट का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष में 320 दिन मिल रहे सूर्य के प्रकाश को प्रदेश का ऊर्जा परिदृश्य बदलने का जरिया बनाया। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए तेजी से नीतिगत निर्णय किए गए, निवेश में आने वाली बाधाओं को दूर किया गया और भूमि आवंटन की प्रक्रियाओं को सुगम बनाया गया।

इससे परियोजनाएं समय पर पूरी होने लगी जिससे 2 साल में ही प्रदेश की सौर ऊर्जा क्षमता बढ़कर दोगुनी हो चुकी है और राजस्थान ऊर्जा क्षेत्र में अत्यनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मां

वर्तमान में प्रदेश की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 35 हजार 910 मेगावाट पहुंच चुकी है, जो देश की कुल सौर क्षमता का लगभग 27 प्रतिशत है। बीते दो वर्षों में राज्य की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता में 18 हजार मेगावाट से अधिक की वृद्धि हुई है। भूमि पर लगी देश की 1 लाख मेगावाट स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता में से 31 हजार मेगावाट का योगदान राजस्थान का है। राजस्थान इस प्रगति से देश के सोलर हब के रूप में मजबूती से उभर रहा है।

विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने पीएम कुसुम योजना और पीएम सूर्यघर

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। जिसका परिणाम यह हुआ कि पीएम कुसुम में स्थापित ऊर्जा क्षमता दो साल में 122 मेगावाट से बढ़कर 2629 मेगावाट हो गई। कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के अन्तर्गत प्रदेश की गांव-ढाणियों में 2 हजार 629 मेगावाट क्षमता से अधिक की ग्रिड कनेक्टेड 1 हजार 201 लघु सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। इनमें कम्पोनेंट-ए के अंतर्गत 478 मेगावाट क्षमता के 368 प्लांट तथा कम्पोनेंट-सी में 2 हजार 151 मेगावाट क्षमता के 833 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। इस तरह स्थापित ऊर्जा क्षमता में कम्पोनेंट-ए में राजस्थान प्रथम स्थान पर और कम्पोनेंट-सी में तीसरे स्थान पर है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मां ने किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली देने का वादा किया था। आज राजस्थान के 22 जिलों के किसानों को दिन में बिजली मिलने लगी है। सौर ऊर्जा का इसमें बड़ा योगदान है। पीएम कुसुम योजना के सभी कम्पोनेंट्स से 2 लाख 83 हजार से अधिक किसानों को खेती के लिए दिन में बिजली मिल रही है। बीते दो साल में पीएम कुसुम कम्पोनेंट-बी में 58 हजार 361 सोलर पम्पसेट की स्थापना की गई है। सस्ती सौर ऊर्जा मिलने से किसानों की

डीजल पंपों पर निर्भरता कम हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर घर को ऊर्जादाता बनाने की पहल पर शुरू की गई पीएम सूर्यघर योजना में भी राजस्थान देश में 5वें स्थान पर है। आमजन रूढ़िवाद पर सोलर पैलल लगाकर ना केवल मुफ्त बिजली प्राप्त कर रहे हैं बल्कि अतिरिक्त बिजली से आर्थिक लाभ भी कमा रहे हैं। प्रदेश में 481 मेगावाट क्षमता के 1 लाख 20 हजार 162 रूफटॉप सोलर संयंत्र पीएम सूर्यघर योजना में लगाए जा चुके हैं। प्रदेश में विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत अब तक कुल 1948 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाए जा चुके हैं। पीएम सूर्यघर योजना में रूफटॉप सोलर स्थापित करने वाले उपभोक्ताओं को 824 करोड़ की केन्द्रीय सब्सिडी वितरित की जा चुकी है।

सौर ऊर्जा से घरेलू उपभोक्ताओं की बचत बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने 150 यूनिट नि:शुल्क बिजली योजना की शुरूआत की है। अक्टूबर अब तक 78 हजार रूपए की केन्द्रीय सहायता के अतिरिक्त है।

प्रदेश में पीक ऑवर्स में अब तक अधिकतम डिमांड 19 हजार 165 मेगावाट रही है, जो 2030 तक 25 हजार 48 मेगावाट होना अनुमानित है।

■ सौर ऊर्जा के कारण आमजन को महंगी बिजली से मिल रही राहत, घट रही कोयले पर निर्भरता

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के त्वरित और दूरदर्शी निर्णयों से राजस्थान की सोलर हब के रूप में बन रही वैश्विक पहचान

आई.पी.एस. प्रफुल्ल कुमार और राघवेन्द्र सुहासा बने एडीजी

9 आईपीएस आईजी रैंक पर प्रमोट हुए, 1 1 बने डी.आई.जी.

जयपुर (कासं)। भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) के 2001 बैच के वरिष्ठ अधिकारी प्रफुल्ल कुमार और राघवेन्द्र सुहासा को राज्य सरकार ने पदोन्नति देकर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) बनाया है। उन्हें महानिरीक्षक पुलिस वेतन श्रृंखला से अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया गया है। राज्य सरकार ने 31 दिसंबर को आदेश जारी कर 40 आई.पी.एस. अधिकारियों को पदोन्नति दी है।

इसी प्रकार वर्ष 2008 बैच के 9 आई.पी.एस. अधिकारियों को उपमहानिरीक्षक से महानिरीक्षक वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया है। इस आदेश से लवली कटियार, डॉ. प्रीति चंद्रा, राहुल कोटोकी, डॉ. विकास पाठक, डॉ. राहुल जैन, ओमप्रकाश कुट्टि, राजेश सिंह, राजेन्द्र प्रसाद गोयल और कालुराम रावत अव पुलिस महानिरीक्षक (आई.जी.) होंगे।

इसी तरह वर्ष 2012 बैच के 11 आई.पी.एस. अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा की चयन वेतन श्रृंखला से उपमहानिरीक्षक (डी.आई.जी.) वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया गया है। इनमें आईपीएस राशि डोगरा डूडी, ममता गुप्ता, पूजा अनावा, आर्शा सिद्ध, डॉ. किरन केंग सिद्ध, जय यादव, अभिजीत

सेवा परिलाभ और वरिष्ठता वापस लेने के आदेश पर रोक

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक ही भर्ती में बाद में नियुक्त प्रबोधकों को दिए सेवा परिलाभ सहित अन्य नोशनल परिलाभों को वापस लेने के राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। अदालत ने मामले में शिक्षा सचिव, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक और अलवर डीईओ सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश लक्ष्मण सिंह राजपूत व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने प्रबोधक पद के लिए एन सीकाली थी। जिसमें कुछ अस्थायीयों को

■ **राज्य सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा के 40 अफसरों को दिया पदोन्नत**

सिंह, शांतनु कुमार सिंह, देवेन्द्र कुमार विश्वनोई, विनोत कुमार बंसल, नारायण टोगस शामिल है।

इसी प्रकार वर्ष 2013 बैच के 9 आई.पी.एस. अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा की कनिष्ठ प्रशासनिक वेतन श्रृंखला से चयन वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया गया है। इनमें तेजस्वनी गौतम, चतुराम जाट, मनीष त्रिपाठी, सुधीर जोशी, राज कुमार चौधरी, सुरेन्द्र सिंह, संजीव नैन, नरेन्द्र सिंह और योगेश गोयल शामिल है। इसी तरह वर्ष 2017 बैच के 3 आईपीएस को वरिष्ठ वेतन श्रृंखला से कनिष्ठ प्रशासनिक वेतन श्रृंखला (लेवल-12) में पदोन्नत किया है। इनमें राजर्षि राज वर्मा, शैलेन्द्र सिंह इंदोलिया और वंदिता राणा शामिल है। इसी तरह वर्ष 2022 बैच के 6 आईपीएस को कनिष्ठ वेतन श्रृंखला से वरिष्ठ वेतन श्रृंखला में पदोन्नित दी है। इनमें उषा यादव, विनय कुमार डी.एच, पंकज यादव, आदित्य कानकडे, विशाल जांगिड़ और शिवानी शामिल है।

बीमा कंपनी पर हर्जाना

परिवाद में अधिवक्ता गोपाल शास्त्री ने आयोग को बताया कि परिवादी ने विपक्षी बीमा कंपनी से साल 2016 में अपना वाहन का बीमा कराया था वहीं बीमा अवधि के दौरान जनवरी 2017 उसके वाहन की दुर्घटना हो गई। इस पर परिवादी ने क्षतिग्रस्त वाहन को कंपनी के वक्कीशॉप में भेजकर बीमा कंपनी को समस्त दस्तावेज उपलब्ध करा दिए। परिवाद में कहा गया कि बीमा कंपनी ने सितंबर, 2017 में बीमा क्लेम को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि परिवादी ने

परिवाद में अधिवक्ता गोपाल शास्त्री ने आयोग को बताया कि परिवादी ने विपक्षी बीमा कंपनी से साल 2016 में अपना वाहन का बीमा कराया था वहीं बीमा अवधि के दौरान जनवरी 2017 उसके वाहन की दुर्घटना हो गई। इस पर परिवादी ने क्षतिग्रस्त वाहन को कंपनी के वक्कीशॉप में भेजकर बीमा कंपनी को समस्त दस्तावेज उपलब्ध करा दिए। परिवाद में कहा गया कि बीमा कंपनी ने सितंबर, 2017 में बीमा क्लेम को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि परिवादी ने

4 4 पुलिस निरीक्षकों को मिला आर.पी.एस. कैडर

जयपुर । राजस्थान सरकार ने राजस्थान पुलिस के 44 पुलिस निरीक्षकों को गए साल पर तोहफा देते हुए उन्हें आरपीएस अधिकारी के रूप में पदोन्नित किया है। सरकार की विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश के आधार पर गृह (गृप-1) विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। इसमें जयपुर ग्रामीण के चौमू थाने के थानाधिकारी प्रदीप शर्मा का भी नाम शामिल है। थानाधिकारी प्रदीप शर्मा हाल ही में चौमूं राम मंजिंद के बाहर पत्थरबाजी मामले को लेकर चर्चा में आए थे। उनको लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटोसरा ने कहा था कि प्रदीप शर्मा चुनाव लड़ने की फिराक में हैं। प्रदीप शर्मा अब आरपीएस रैंक के अधिकारी बन गए हैं।

गृह (गृप-1) विभाग के संयुक्त सचिव आनंदीलाल वैष्णव की ओर से बुधवार को जारी आदेश के अनुसार पुलिस निरीक्षक देवेंद्र प्रताप वर्मा, मदनलाल, राजेंद्र बाफना, अचलदास रत्नू, पुरुषोत्तम महरिया, बनवारी लाल मीणा, बाबूलाल मीणा, रामनिवास मीणा, अजयकांत रतूडी और रविंद्र कुमार को आरपीएस

सड़क हादसे में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की मौत

जयपुर । कोटखावदा इलाके में स्थित जयपुर-टोंक हावैवे (एनएच-52) कोटखावदा पुलिसिया पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूल जा रहे एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की मौत हो गई। दुर्घटना थाना इंचार्ज रामरतन चौधरी ने बताया कि मृतक की पहचान चाकसू निवासी 45 वर्षीय हेमराज गोस्वामी के रूप में हुई है। जो ठीकरिया मीणान गांव स्थित सरकारी स्कूल में फोर्थ ग्रेड कर्मचारी के पद पर कार्यरत था और बुधवार सुबह बाइक से स्कूल जा रहे थे। पुलिस के अनुसार हाईवे पर लघुशंका के लिए रुकने के बाद हेमराज गोस्वामी जैसे ही दोबारा बाइक पर बैठने की तैयारी कर रहे थे। तभी पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस को सहायता से घायल को चाकसू उप जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कवाकवा शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक के साले राजेश गोस्वामी ने बताया कि हेमराज गोस्वामी के दो बेटे और एक बेटी है।

आर.पी.एस. अधिकारी एक करोड़ रुपए वसूली के आरोप में गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर। महेश नगर थाना पुलिस ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आर.पी.एस.) अधिकारी रितेश पटेल को एक करोड़ रुपये की वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरपीएस अधिकारी पर आरोप है कि उन्होंने एक व्यक्ति को धमकाकर एक करोड़ रु. की मांग की और एसओजी के नाम से फर्जी एफआईआर तैयार कर भेजी। शिकायतकर्ता का कहना है कि एक करोड़ रुपए की मांग में से 25 लाख रुपये नकद और 25 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए गए। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच में जुटी हुई है। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि एसओजी की फर्जी एफआईआर तैयार कर शिकायतकर्ता को भेजने और रुपये मांगने का आरोप है।

महेश नगर थाना पुलिस ने एपीओ (अटैच्ड पुलिस ऑफिसर) चल रहे आरपीएस अधिकारी रितेश



आर.पी.एस. रितेश पटेल

पटेल को उनके केसर चौराहा स्थित घर से गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि आरपीएस रितेश पटेल ने धमकी देकर एक करोड़ रुपये मांगे और एसओजी के नाम से फर्जी एफआईआर बनाकर भेजी। पुलिस अब आरोपित आरपीएस से गहन पूछताछ कर रही है।

आरोपित रितेश पटेल 2019 बैच के आरपीएस अधिकारी है। वह बजरी लेनदेन के एक मामले में पहले से एपीओ चल रहे है।

■ **आरपीएस अधिकारी पर आरोप है कि उन्होंने एक व्यक्ति को धमकाकर एक करोड़ रु. की मांग की और एसओजी के नाम से फर्जी एफआईआर तैयार कर भेजी।**

■ **शिकायतकर्ता का कहना है कि एक करोड़ रुपए की मांग में से 25 लाख रुपये नकद और 25 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए गए।**

बजरी के ट्रैक्टर छोड़ने का बनाया था दबाव

गंगापुर सीआई फूलचंद ने साल 2024 में आशाहोली गांव के पास अवैध बजरी भरकर ले जा रहे दो ट्रैक्टर पकड़े थे। ट्रैक्टरों को थाने लाकर खड़ा करवाया था। सीआई ने इस कार्रवाई से उच्च अधिकारियों को भी अवगत कराया था। दोनों ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन भी नहीं था। इनके चेसिस नंबर पर भी जून 2024 की मैनुफैक्चरिंग डेट लिखी हुई था। माना जा रहा था कि ट्रैक्टर मालिक ने खरीदने के बाद आरटीओ ऑफिस में रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया था। तब तत्कालीन डीएसपी रितेश

पटेल थाने पहुंचे थे। डीएसपी ने दोनों ट्रैक्टरों को छुड़वाने की कोशिश की थी, परंतु सीआई ने उनकी बात नहीं मानी। इस मामले ने तूल पकड़ लिया था। सोशल मीडिया पर भी मामला काफी छाया रहा था। इसके बाद रितेश पटेल को एपीओ कर दिया था। कमिश्नर सचिन मित्तल ने कहा कि इस मामले में विस्तृत जांच चल रही है कि आरोपित आरपीएस अधिकारी ने कितने रुपये लिए गए और कैसे लिए गए। इसकी पड़ताल की जा रही है। इसके अलावा जांच पूरी होने के बाद पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित आरपीएस को पुलिस रिमांड पर लेकर आगे पूछताछ होगी।